http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 80

प्रयागराज शुक्रवार 06 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

थाना मजीठा में फेंका गया ग्रेनेड

● टूटी खिड़कियां, आतंकी हैप्पी पसिया ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर,(एजेंसी)। मजीठा थाने में बुधवार देर रात जोरदार धमाका हुआ था। इससे थाने की खिड़कियां तक टूट गईं थीं। पहले पुलिस ने कहा था कि एक पुलिसकर्मी अपनी मोटरसाइकिल में हवा भर रहा था और ट्यूब में हवा भरने के कारण विस्फोट हो गया। अमृतसर में बुधवार देर रात करीब 11 बजे जिला देहाती में आने वाले थाना मजीठा के अंदर एक अज्ञात शख्स ने हैंड ग्रेनेड फेंक दिया। ग्रेनेड थाने के बिल्कुल अंदर खुली जगह पर फेंका गया, जिसके बाद जबरदस्त धमाका हुआ। हरकत में आई पुलिस ने तुरंत थाने के गेट बंद कर लिए। हैंड ग्रेनेड से हुए हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी हैप्पी पसिया ने ली है। हैप्पी परिसयां ने ही कुछ दिन पहले अजनाला थाने के बाहर आईडी रखवा कर थाने को उड़ाने की योजना बनाई थी धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर एसपी चरणजीत सिंह, डीआईजी सतिंदर सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक बुधवार रात करीब 11 बजे थाना मजीठा में पुलिस अपनी ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान बाहर से अज्ञात शख्स ने एक हैंड ग्रेनेड फेंका। छह दिन में दूसरा धमाका छह दिन पहले जिला शहरी इलाके में बंद पड़ी चौकी गुरबख्श नगर पर भी इसी तरह हैंड ग्रेनेड फेंककर धमाका किया गया था। इससे पहले 23–24 नवंबर की रात को थाना अजनाला के बाहर आईडी लगाकर उड़ने की योजना का खुलासा हुआ था। पिछले 15 दिनों में तीन घटनाएं हो चुकी हैं। अभी तक पुलिस इन घटनाओं के पीछे कौन आरोपी है, ना तो उनका पता लगा पाई है ना ही किसी को गिरफ्तार किया जा सका है। सुबह सुखबीर बादल पर हुआ था हमला बुधवार सुबह श्री हरमंदिर साहिब में सेवा निभा रहे शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल पर खालिस्तानी आतंकी नारायण चौड़ा ने गोली चलाने का प्रयास किया था।

'गलतफहमी में मत रहिए, बंटेंगे तो कटेंगे'

● योगी बोले- बांग्लादेश में दुश्मन कृत्य कर रहे, यहां भी ऐसे लोग हैं...जो आपको मरता छोड़ चले जाएंगे

अयोध्या,(एजेंसी)। अयोध्या में सीएम योगी आदित्यनाथ ने रामायण मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कहा कि गुंडों के संरक्षण बिना समाजवादी पार्टी वैसे ही तड़पती है, जैसे पानी के बिना मछली। रामनगरी में चार दिवसीय रामायण मेले का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। पांच से आठ दिसंबर तक सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में गीत–संगीत व अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहमान होगी। सीएम सुबह अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी व रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। जानकी महल ट्रस्ट में चल रहे विवाहोत्सव में भी सीएम के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की पावन पूरी में से प्रथम पूरी है। हजारों वर्षों से विश्व मानवता का मार्ग अयोध्या ने प्रशस्त किया। अयोध्या एक ऐसी भूमि जहां कोई युद्ध करने का साहस नहीं कर सकता। कहा कि पिछले वर्ष जनवरी में पीएम मोदी के हाथों 500 वर्षों के संघर्ष के बाद रामलला फिर से प्रतिष्ठित हुए। पीएम ने अयोध्या के नागरिकों के प्रति अपना अनुराग व्यक्त किया था। अयोध्या ने उनके साथ न्याय नहीं किया। लेकिन, श्रीराम ने हर प्रकार का संरक्षण दिया। 1982 में शुरू हुआ था रामायण मेला कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक रूप से विश्व में आगे बढ़ रहा। रामायण सीरियल को लोग देखने के लिए एक घंटे टीवी के सामने बैठते थे। डॉक्टर लोहिया ने रामायण उत्सव कार्यक्रम देश में प्रारंभ किए थे। जिसके मन में राम और जानकी के प्रति समर्पण नहीं है, उनको त्याग देना चाहिए। सीएम ने कहा कि डॉ लोहिया राजीनीति में आदर्शवादी थे। समाजवादी पार्टी परिवारवादी है। अपराधी गुंडों के संरक्षण के बिना यह उसी तरह तड़पते हैं, जैसे पानी बिना मछली। लोहिया के नाम पर राजनीति करेंगे लेकिन उनके आदर्श नहीं मानते। रामायण मेला समिति के संयोजक आशीष मिश्र ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी रामायण मेला में न सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम होंगे, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। रामायण मेले में चार दिनों तक कथा, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक गायन, नृत्य नाटिका आदि की प्रस्तुति होगी। संस्कृति विभाग के विभिन्न जिलों के 20 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही चार दिनों तक अलग–अलग कथा प्रवाचकों की ओर से रामकथा का प्रवचन भी किया जाएगा। रामायण मेले में प्रस्तुत होने वालों कार्यक्रमों पर एक नजर सीएम ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले अयोध्या कुंभ में बाबर के आदमी ने क्या किया था? संभल में भी यही हुआ था। बांग्लादेश में भी यही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और डीएनए एक ही है।

शिंदे डिप्टी सीएम नहीं बनते तो पार्टी का कोई एनएलए सरकार का हिस्सा नहीं बनेगा: शिवसेना

मुंबई,(एजेंसी)। शिवसेना नेता उदय सामंत ने गुरुवार को कहा कि अगर एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का पद नहीं लेते हैं तो पार्टी का कोई भी विधायक नई सरकार में कोई भी जिम्मेदारी नहीं लेगा। शपथग्रहण से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि शिवसेना के किसी नेता की डिप्टी सीएम बनने का कोई इरादा नहीं है और

यह पद शिंदे को ही लेना चाहिए। भाजपा विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस बीच शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के कार्यकारी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पिछले कुछ बयानों से यह साफ हो चुका है कि वह नई सरकार में डिप्टी सीएम का पद नहीं चाहते हैं। ऐसे में राज्य सरकार में दो उपमुख्यमंत्रियों में अजित पवार के अलावा दूसरा नाम शिवसेना से किस नेता का होगा, इसे लेकर संशय बना हुआ है। सामंत ने कहा कि हमने एकनाथ शिंदे को साफ तौर पर बता दिया है कि उन्हें ही नई सरकार में उपमुख्यमंत्री पद लेना होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि शिंदे उनकी मांग को मान लेंगे। शिवसेना विधायक लगातार कर रहे शिंदे से डिप्टी सीएम बनने का आग्रह शिवसेना विधायकों ने इससे पहले बुधवार को पार्टी अध्यक्ष एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। विधायकों ने उनसे नई महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद संभालने का आग्रह किया।

संसद में विपक्ष का हल्लाबोल

● मोदी-अदाणी एक हैं लिखी जैकेट पहनकर विरोध करने पहुंचे राहुल-प्रियंका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विपक्ष गौतम अदाणी के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहा है, जिन्हें अमेरिकी अभियोजकों ने रिश्वत धोखाधड़ी के आरोपों में दोषी ठहराया है। पिछले कुछ दिनों से सड़क से लेकर संसद तक अदाणी से जुड़ा मुद्दा सुर्खियों में है। इसे लेकर सियासी गलियारों में आरोप–प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। संसद में विपक्षी दलों के नेता लगातार अदाणी मुद्दे को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और जांच की मांग की जा रही है। आज एक बार फिर विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी सहित विपक्ष के अन्य नेता शामिल हुए। सभी ने जैकेट पहन रखी थी। इस पर लिखा था श्अदाणी और मोदीश एक हैं। इन लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन विपक्ष अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहा है, जिन्हें अमेरिकी अभियोजकों ने रिश्वत धोखाधड़ी के आरोपों में दोषी ठहराया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी सहित विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल आए अलग नजर इस दौरान अदाणी मुद्दे पर प्रदर्शन करने के लिए स्पेशल जैकेट पहने नजर आए, जिस पर पीछे की तरफ लिखा है, श्मोदी अदाणी एक है, अदाणी सेफ है।श जहां एक तरफ विरोध करने वाले सांसद जैकेट पहने नजर आए, तो वहीं राहुल गांधी अलग ही अंदाज में नजर आए। राहुल हमेशा की तरह सफेद टी–शर्ट पहनकर संसद पहुंचे, लेकिन टी–शर्ट के पीछे की तरफ वही स्लोगन लिखा नजर आया, जो अन्य नेताओं की जैकेट पर लिखा था। अदाणी की जांच मतलब मोदी की जांचरू राहुल गांधी कांग्रेस की अगुवाई वाले इस प्रदर्शन में सपा के साथ तृणमूल कांग्रेस भी शामिल नहीं हुई। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि श्मोदी जी अदाणी की जांच नहीं करा सकते क्योंकि यदि वह ऐसा कराते हैं तो उनकी भी जांच होगी। मोदी और अदाणी एक हैं। दो नहीं एक हैं।श विपक्ष की जेपीसी जांच की मांग कई इंडिया ब्लॉक पार्टियों के नेताओं ने अदाणी अभियोग मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और मामले की संयुक्त संसदीय जांच (जेपीसी) का आह्वान किया। कांग्रेस, आप, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), डीएमके और वामपंथी दलों के सांसदों ने अपनी मांग को लेकर जमकर नारे लगाए और संसद परिसर में श्मोदी–अदाणी एक हैंश लिखे बैनर पकड़े। हालांकि, टीएमसी ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से खुद को दूर रखा। अदाणी की गिरफ्तारी की मांग कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा, 'अमेरिकी अदालत ने कह दिया है।

सऊदी अरब की बसों में तैनात होंगे भारतीय ड्राइवर, 24 घंटे मिलेगी सेवा

लखनऊ,(एजेंसी)। सऊदी अरब में हज यात्रा करने वाले हज यात्रियों को इस बार एक सहूलियत मिलेगी। उनकी स्थानीय बसों में जो ड्राइवर तैनात होंगे वह भारतीय मूल के होंगे। हज के दौरान सऊदी अरब में हज यात्रियों के आवागमन में अब भाषा रुकावट नहीं बनेगी। हज यात्रियों को आवागमन के लिए मिलने वाली बसों में इस बार भारतीय ड्राइवरों को तैनात किया जाएगा।

हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए इस बार स्टेट हज इंस्पेक्टर (हज सेवकध्खादिमुल हुज्जाज) की जिम्मेदारी कम कर उनकी संख्या बढ़ाने सहित कई अहम फैसले लिए हैं। सऊदी अरब में बीते दो साल से हज यात्रियों को हो रहीं दुश्वारियों को देखते हुए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने बीते दिनों दिल्ली में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की हज कमेटियों के आला अधिकारियों के साथ बैठक कर हज 2025 की तैयारियों और सुविधाओं को लेकर मंथन किया था। राज्य हज कमेटियों के सुझाव पर अमल करते हुए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने सऊदी अरब में मक्का, मदीना व अन्य जगहों पर हज यात्रियों के आवागमन के लिए मिलने वाली बसों की सुविधा इस बार 24 घंटे देने का निर्णय लिया है। बस में विदेशी ड्रइवरों से हज यात्रियों को संवाद करने में भाषा की होने वाली समस्या को खत्म करने के लिए बसों में भारतीय ड्राइवर नियुक्त करने का भी निर्णय लिया गया है।

संसद सत्र के समय ही होती है देश की छवि बिगाड़ने की कोशिश: सुधांशु त्रिवेदी

● भाजपा सांसद ने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब भी भारत की संसद का सत्र चल रहा होता है, तभी विदेशों में कोई न कोई ऐसी रिपोर्ट सामने आती है, जिससे देश की छवि खराब होती है। भाजपा सांसद ने भारत को अस्थिर करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया। फ्रांस के एक प्रकाशन ने हाल ही में प्रकाशित ओसीसीआरपी (ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) की रिपोर्ट को लेकर एक खबर बनाई है, जिसमें दावा किया गया है कि ओसीसीआरपी की रिपोर्ट तटस्थ नहीं है और इसे अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस की फंडिंग मिलती है। फ्रांस के अखबार की इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने विपक्ष को घेर लिया है और विपक्ष पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मुद्दे पर राहुल गांधी और पूरे विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी राज्यसभा में ये मुद्दा उठाया और इसे लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब भी भारत की संसद का सत्र चल रहा होता है, तभी विदेशों में कोई न कोई ऐसी रिपोर्ट सामने आती है, जिससे देश की छवि खराब होती है। भाजपा सांसद ने भारत को अस्थिर करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट पर उठाए सवाल भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शून्य काल के दौरान राज्यसभा में कहा कि श्जब भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में सामरिक, आर्थिक और कूटनीतिक शक्ति बनकर उभरा है, तब से विदेश की बहुत सी ऐसी गतिविधियां हैं, जो भारत की व्यवस्था के आर्थिक, नैतिक, सामाजिक पक्ष पर हमला कर रही हैं। फ्रांस के एक प्रकाशन ने ऑर्गनाइज क्राइम करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट पर एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को विदेशी सरकारों की फंडिंग है और इसमें जॉर्ज सोरोस का भी कनेक्शन है। इस रिपोर्ट का फोकस भारत पर भी है। श्संसद सत्र के समय होती है देश की छवि बिगाड़ने की कोशिशश भाजपा सांसद ने कहा कि श्पिछले तीन वर्षों से ये क्या संयोग है।

, जब भारत की संसद का सत्र चलता है, तभी ये रिपोर्ट्स आती हैं। पूर्व में भारत के किसानों को लेकर रिपोर्ट सामने आई , तब भी संसद सत्र चल रहा था और इसी तरह पेगासस और हिंडनबर्ग रिपोर्ट भी लगभग उसी समय सामने आई, जब भारत की संसद का सत्र या तो चल रहा था।

ये मशीनें नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाएंगी: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड–सह–रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री ने ट्रैक रखरखाव के लिए ट्रैकमैन एवं अन्य रेलकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास रियल टाइम डेटा तक पहुंच होगी, इससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल

हो जाएगा। पृष्ठभूमिरू इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITM) इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITMS) एक ऐसा सिस्टम है, जो ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (TRC) पर लगाया जाता है। यह 20–200 किमीध्घंटे की गति सीमा में ट्रैक के पैरामीटर्स को रिकॉर्ड और मॉनिटर करने की क्षमता रखता है। ITMS विभिन्न तकनीकों को जोड़कर रेलवे ट्रैक के पैरामीटर्स की मॉनिटरिंग और माप करता है, जिससे रेल संचालन सुरक्षित और कुशल बनता है। इस सिस्टम में निम्नलिखित उपकरण शामिल हैंरू ' बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर ' हाई–स्पीड कैमरे ' LIDAR ' IMU ' एनकोडर ' एक्सेलेरोमीटर ' GPS आदि। यह सिस्टम इन उपकरणों से डेटा इकट्ठा करने, उसका विश्लेषण करने और प्रोसेस करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और एकीकृत सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। प्ज्डै को भारतीय रेलवे के ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) के साथ जोड़ा गया है, ताकि प्रत्येक ट्रैक रिकॉर्डिंग रन की रिपोर्ट ज्डै पोर्टल पर उपलब्ध हो। 2022–23 और 2023–24 के दौरान, भारतीय रेलवे पर 03 प्ज्डै शुरू किए गए हैं। ये TRC, RDSO के 7 TRC के बेड़े का हिस्सा हैं, जो भारतीय रेलवे की ट्रैक लंबाई के 2.54 लाख किमी वार्षिक दायित्व के लिए अनिवार्य ट्रैक रिकॉर्डिंग के लिए आवश्यक हैं। यह सिस्टम च्ॅूल अधिकारियों के लिए बेहद सहायक है क्योंकि यह खराब जगहों की तत्काल ट्रैक देखभाल के लिए रियल टाइम अलर्ट ैडै और ईमेल प्रदान करता है। प्ज्डै मुख्य रूप से निम्नलिखित सब–सिस्टम्स से बना हैरू ' ट्रैक जियोमेट्री मापन प्रणाली– यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई–स्पीड कैमरों की मदद से जड़त्वीय सिद्धांत का उपयोग करके गेज, कैंट, क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर संरेखण जैसे ट्रैक जियोमेट्री पैरामीटर्स का मापन करता है। 'समग्र रेल प्रोफाइल और वियर मापन प्रणाली– यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई–स्पीड कैमरों की मदद से पूरे रेल प्रोफाइल और वियर का मापन करके रेल की स्थिति की निगरानी करता है। ' ट्रैक कंपोनेंट कंडीशन मॉनिटरिंग– यह वीडियो निरीक्षण के माध्यम से ट्रैक घटकों (जैसे रेल, स्लीपर, फास्टनिंग, बैलास्ट) में दोषों की पहचान करता है। यह लूजधमिसिंग ट्रैक फिटिंग्स की पहचान के लिए लाइन स्कैन कैमरों और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है। ' एक्सेलेरेशन मापन– एक्सेलेरोमीटर के माध्यम से एक्सल बॉक्स और कोच फ्लोर स्तरों पर एक्सेलेरेशन का मापन करता है, जिससे राइड क्वालिटी और खराब स्थानों की पहचान की जाती है। ' रियर विंडो वीडियो रिकॉर्डिंग– हाई–रिजॉल्यूशन कैमरों की मदद से ट्रैक की स्थिति और आसपास के वातावरण की निगरानी करता है, जिससे ट्रैक डिफेक्ट्स और एसेट्स का संबंध स्थापित किया जा सके। ' इनफ्रिंजमेंट मापन प्रणाली– यह LIDAR तकनीक का उपयोग करके डडक्ब्ध्व एनवेलप की निगरानी करता है। रेल–सह–रोड निरीक्षण वाहन (RCRIV) रेल–सह–रोड निरीक्षण वाहन (RCRIV) को टाटा योद्धा मॉडल से संशोधित किया गया है, जिसमें पीछे की तरफ दो लोहे के पहिये (750 मिमी व्यास) और आगे की तरफ 2 लोहे के पहिये (250 मिमी व्यास) हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें 3 कैमरे हैं जो ट्रैक को रिकॉर्ड करेंगे, जिसका रिकॉर्डिंग बैकअप लगभग 15 दिनों का होगा।

हनन

आज के दौर में न्यायपालिका की ओर से ऐसा दो टूक और साहसी हस्तक्षेप कभी–कभार ही होता है। इसके बीच फैक्ट चेक यूनिट खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के ताजा फैसले को एक चमकती हुई मिसाल के रूप में देखा जाएगा।

सरकार की एजेंसी खबरों के फैक्ट चेक करे, यह सोच ही अतार्किक है। स्वाभाविक है कि ऐसी एजेंसी बनाने की सरकार की पहल को लेकर समाज में आरंभ से ही व्यग्रता देखी गई। यह आम समझ थी कि इस पहल के पीछे मंशा ऐसे तथ्यों को मीडिया से बाहर करना है, जो सरकार को असहज करने वाले हो सकते हैं। वर्तमान सरकार के दौर में फेक न्यूज और फैक्ट चेक विवादास्पद मुद्दे रहे हैं। ऐसे विवादों के क्रम में सरकार के अपने नजरिए को अक्सर एकतरफा माना गया है। इसीलिए फैक्ट चेकर यूनिट बनाने की उसकी पहल को दुर्भावनापूर्ण भी समझा गया था। अब इन सभी आशंकाओं की बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुष्टि कर दी है। उसने नए सूचना तकनीक कानून में संबंधित संशोधन को खारिज कर दिया है। सरकार के खिलाफ कथित फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए बनाई गई तथ्य–जांच इकाइयों को अदालत ने असंवैधानिक घोषित कर दिया है। अदालत ने यह उचित टिप्पणी की कि फैक्ट चेक यूनिट नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है।

आज के दौर में न्यायपालिका की ओर से ऐसा दो टूक और साहसी हस्तक्षेप कभी–कभार ही होता है। इसके बीच बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को एक चमकती हुई मिसाल के रूप में देखा जाएगा। फैक्ट चेक यूनिट बनाने की पहल को कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्ट और डिजिटल एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स ने कोर्ट में चुनौती दी थी।

पहले हाई कोर्ट की दो जजों वाली बेंच में जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला के. गोखले ने अलग–अलग फैसला सुनाया। इसके बाद इस मामले को तीसरे यानी टाई ब्रेकर जज के पास भेजा गया था। तीसरे जज जस्टिस अतुल एस. चंदूरकर ने अपने निर्णय में सरकारी संशोधन को असंवैधानिक करार दिया। कहा कि यह संशोधन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन है। इस निर्णय से मीडियाकर्मियों के साथ–साथ आम नागरिकों को भी बड़ी राहत मिली है। फैक्ट चेक यूनिट सक्रिय हो जातीं, तो आशंका थी कि हर वैसी खबर कार्रवाई के दायरे में आ जाएगी, जिसमें सरकारी नैरेटिव हट कर अलग कहानी बताई गई हो।

पिता की सेवा–शुश्रुषा सदैव करनी चाहिए

अशोक प्रवृद्ध

श्राद्ध कर्म में विशेष कर पितृ शब्द से विद्यादाता का ग्रहण होता है। अपने उत्पादक पिता की सेवा–शुश्रूषा तो सबको सदैव करनी ही चाहिए। ऐसा नहीं करने वाला कृतघ्न होता है। ज्ञान व विद्या देने वाले ज्ञानी पिता का भी भोजनादि से प्रतिदिन सत्कार करना ही श्राद्ध है। अपने जनक और अन्य यज्ञोपवीत कराने वाले आदि की सेवा को सामान्य प्रकार से तर्पण कहते हैं। श्राद्ध कर्म में पूजने योग्य दो ही हैं– पितृ और देव।

भारतीय परंपरा में मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण माने गए पंच महायज्ञों में ब्रह्मयज्ञ (स्वाध्याय), पितृयज्ञ (तर्पण), देवयज्ञ (होमध्हवन), बलि वैश्वदेव (भूतयज्ञ)और नृयज्ञ (अतिथि पूजन) में दूसरे स्थान पर पितृयज्ञ शामिल है। पितृयज्ञ तर्पण का ही अवान्तर भेद श्राद्ध है। भूख–प्यास आदि से होने वाले दुरूख की निवृत्तिरूप तृप्ति अथवा प्रसन्नता, मन में पूरा सन्तोष अथवा आनन्दरूप को तर्पण कहा जाता है। और जिस कर्म विशेष के द्वारा अन्न से तृप्त हुए जन क्षुधा से होने वाले दुरूख से निवृत्त होते हैं, श्रद्धा कहा जाता है। श्रद्धापूर्वक दिये जाने वाले अन्न का नाम श्राद्ध है। श्रद्धापूर्वक बनाये अन्न का खाने वाला श्राद्धभोजी होता है। इसलिए पाणिनी सूत्र में श्राद्धमनेन भुक्तमिनिठनौ कहा गया है। जिसने श्राद्ध का भोजन किया हो, वह श्राद्धी अथवा श्राद्धिक कहा जाता है। यहां भक्ति श्रद्धा से पकाये हुए अन्न का नाम श्राद्ध है। इससे यह सिद्ध है कि भोजन से होने वाले सत्काररूप कर्म का नाम श्राद्ध है। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि भोजन से होने वाले सत्कार कर्म और उस सत्कार के लिए श्रद्धा से बनाए अन्न का नाम श्राद्ध है। श्रद्धा से दिए जाने वाले इस पितृ संबंधी दानकर्म को श्राद्ध कहते हैं।

सामान्यतरू पिता शब्द से उत्पादक का अर्थ लिया जाता है, परंतु भारतीय परंपरा में उत्पादक के साथ ही यज्ञोपवीत कराने वाला, विद्यादाता, अन्नदाता और भय से बचाने वाला, ये पांच पिता माने गये हैं। इस प्रकार पितृ शब्द योगरूढ़ है और अपने उत्पादक पिता में रूढिध् भी है। अन्य लौकिक व्यवहार में पिता शब्द से प्रकरणानुसार जनक, यज्ञोपवीत कराने, अन्न देने अथवा भय से बचाने वाले का ग्रहण होता है। परंतु श्राद्ध कर्म में विशेष कर पितृ शब्द से विद्यादाता का ग्रहण होता है। अपने उत्पादक पिता की सेवा–शुश्रूषा तो सबको सदैव करनी ही चाहिए। ऐसा नहीं करने वाला कृतघ्न होता है। ज्ञान व विद्या देने वाले ज्ञानी पिता का भी भोजनादि से प्रतिदिन सत्कार करना ही श्राद्ध है। अपने जनक और अन्य यज्ञोपवीत कराने वाले आदि की सेवा को सामान्य प्रकार से तर्पण कहते हैं।

श्राद्ध कर्म में पूजने योग्य दो ही हैं– पितृ और देव। वाणी के कर्म में प्रवीण, पढ़ाने व उपदेश करने में सदा प्रवृत अर्थात पढ़ाने और उपदेशादि वाणी के कर्म द्वारा विद्या का प्रचार करके जगत का उपकार करने के लिए प्रतिक्षण प्रवृत्त होने वाले देवता कहाते हैं। मनुस्मृति के अनुसार मानसकर्म ज्ञान में सदा रमण करने, अपने मन ही मन में शुद्ध आनन्द की लहरियों का अनुभव करने, सदा अच्छे–बुरे का विवेक करने, बहुत कम नियम से बोलने अथवा वाणी को वश में करके मौन रहने, विषय पर सम्यक अनुभव कर उसके प्रचार से जगत का उपकार करने, उस विषय को पुस्तकादि द्वारा सरल कर प्रचलित करने वाले पितर हैं। वेदविद्या का दान देने से आचार्य, गुरु को पिता कहते हैं। अज्ञानी को बालक और ज्ञानी को पिता कहते हैं।

शतपथ ब्राह्मण के अनुसार जिनमें वाणी के कठोर, मिथ्याभाषण, चुगली और असम्बद्ध बोलना रूप चार दोष न हों, और सत्य भाषण, हितकारी वाक्य संभाषण, प्रियवाणी बोलना और वेदादिशास्त्र पढने आदि चार प्रसंगों में वाणी का व्यय करना, किन्तु क्रोधादि पूर्वक नहीं बोलना आदि गुण मौजूद हों, वे देव हैं। और मानस विचार में तत्पर रहने वाले अर्थात मन के तीन दोष –परद्रव्यापहरण (अन्य के वस्तु को लेने की तृष्णा), दूसरों के प्रति अनिष्ट विचार और असम्भव विचार संबंधी दोष जिनमें न हों तथा मानस तीन गुण– सब प्राणियों पर दया, निरपेक्ष व सन्तोष और शुभकर्मों अथवा परमात्मा की उपासनादि में श्रद्धाभक्ति जिनमें विशेष कर हों वे पितर कहाते हैं।

स्पष्ट है कि वाचिक पापों से रहित और वाचिक पुण्य करने में विशेष कर प्रवृत्त देव, तथा मानस पापों से रहित, मानस पुण्य करने में अधिक

कर प्रवृत्त पितृ कहाते हैं। जिनकी वाणी सब प्रकार शुद्ध है, वे देव और जिनका मन सब प्रकार शुद्ध है, वे पितृ लोग कहाते हैं। मानस विचार की रक्षा वाणी से होती है, इसी कारण पितृ कार्य का रक्षक देवकार्य को माना है। तथा देव को ऋषि और पितृ को मुनि। जहां देव, ऋषि, पितृ, सब आते हैं, वहां ऋषि पद वाच्य ब्रह्मचर्याश्रमस्थ वेदाध्येता तपस्वी अन्तेवासी शिष्य लिए जाएंगे।

मनुस्मृति के अनुसार सत्त्वगुण की प्रधानता होने से बुद्धिवर्द्धक तथा खाने योग्य कव्यपदार्थ ही प्रयत्न के साथ ज्ञानियों को खिलाना चाहिए। और होमने योग्य वस्तु चारों प्रकार के विद्वानों को खिलाना चाहिए। इसी कारण उपनिषदों में भी आत्मज्ञानी की पूजा करने का निर्देश दिया गया है। इससे ज्ञानी लोगों का ही सत्कार करने की बात सिद्ध होती है। सत्य–असत्य का विवेक करने वाले ज्ञानी जनों की सम्यक श्रद्धा, भक्ति से सेवा करने वाले सेवकों पर वे प्रसन्न होकर कल्याण करने के लिए मन लगाते हैं। और श्रेष्ठमार्ग का उपदेश करते अथवा संकेतमात्र से जता देते हैं कि यह काम ऐसे करना चाहिए और यह न करना चाहिए।

इसी कारण ज्ञाननिष्ठ पितृजनों के सेवक भी कल्याणभागी होते हैं। इसी से ज्ञानयुक्त पितृजनों की अन्नादि दान से श्रद्धापूर्वक सेवा–शुश्रूषा करनी चाहिए। सब सत्कारों में भोजनार्थ अन्न से सत्कार करना ही सबमें मुख्य है। वैदिक मतानुसार प्राणियों का प्राण अन्न के ही आश्रय है। और भोजन से ही इस शरीर की उत्पत्ति, स्थिति और नाश हो सकता है। सात्विक–सत्त्वगुण का बढ़ाने वाला आहार मिलने पर शरीर निरोग और सत्त्वगुण वाली प्रबल बुद्धि होती है, इसी से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की सिद्धि है। वस्त्र और भूषण आदि सुख के साधनों के न मिलने पर भी केवल अन्न और जल के आश्रय से शरीर ठहर सकता है, परंतु अन्न–जल न मिलने पर अत्यंत समृद्ध धनी होने अथवा सब पृथ्वी का राज्य मिल जाने पर भी शरीर की स्थिति नहीं रह सकती। इससे तर्पण और श्राद्ध में अन्न–जलों से सत्कार करना मुख्य है। अत्यंत प्राचीन काल से ही विद्वानों के मध्य यही परिपाटी चली आ रही है। लेकिन कालांतर में यह परंपरा लुप्त हो गई और मरे हुओं के नाम से पिण्ड देने की नई अवैदिक परंपरा चल पड़ी। पौराणिक ग्रंथों में इन अवैदिक चलन को बढ़ावा दिया गया। इसलिए भोजन से ज्ञानी पितृ लोगों का श्राद्ध करना अत्यन्त उचित है।

श्राद्ध नित्यकर्म और नैमित्तिक दोनों प्रकार का हो सकता है। विधि आज्ञा के अनुसार मनुष्य को नित्य श्राद्ध करना चाहिए। मनुस्मृति में कहा गया है कि– नित्य अन्न, जल, दूध व खीर, फल और कन्द मूलों से पितृ– नाम ज्ञानी पुरुषों का प्रीतिपूर्वक श्रद्धा से सत्कार करना चाहिए। यहाँ नित्यकर्म श्राद्ध के विधान में भोजन के पदार्थ गिनाये हैं। इनमें मांस अभक्ष्य होने से नहीं रखा गया। श्राद्ध में मांस पूर्णतरू निषेध है। पंच महायज्ञ सामान्य कर नित्यकर्म हैं, उनके अन्तर्गत होने से भी श्राद्ध नित्यकर्म सिद्ध होता है, यह सब कथन उत्सर्गरूप से है। और अपवादरूप से श्राद्ध नैमित्तिक भी है। अर्थात जो कोई प्रतिदिन भोजनादि सत्कार के साधनों के न मिल सकने से श्राद्ध नहीं कर सकता। अथवा जिसको सत्कार के योग्य पितृजन नित्य–नित्य नहीं प्राप्त होते, उसको साधनों के मिलने और पूज्य पितृजनों की प्राप्ति होने पर श्राद्ध करना चाहिए। सत्कार के योग्य पितृजनों के संबंध में कहा गया है–

अज्ञो भवति वै बालरू पिता भवति मन्त्रदरू।

अर्थात –ज्ञानवृद्ध का नाम पिता है, किन्तु अवस्थावृद्ध का नाम नहीं।

प्राचीन काल में नैमित्तिक श्राद्ध के लिए हमारे पूर्वजों ने समय नियत किया था। इसी कारण पाणिनी ने अपने सूत्र में कहा है– श्राद्धे शरदरू। अर्थात –ऋतुवाचक शरद् शब्द से श्राद्ध अर्थ में ठञ् प्रत्यय होता है। यद्यपि शरद ऋतु में अनेक सामान्य अथवा विशेष कार्य होते हैं, तथापि शरद ऋतु में हुए अथवा होने वाले श्राद्ध का ही नाम शारदिक होता है, शरद ऋतु के अन्य कामों को शारद कहा जाता है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि शरद ऋतु में ही श्राद्ध किया जाये अन्य में न किया जाय अथवा अन्य ऋतु में श्राद्ध नहीं होता। साधनों के ठीक–ठीक न मिलने आदि पर श्राद्ध का नैमित्तिक करना कहा गया है। भोजन करने योग्य वस्तु– खोया, बरफी और रबड़ी, खीर आदि अनेक प्रकार के मीठे अथवा दही, मठा, शिखरन आदि सर्वोपरि उत्तम पदार्थ दूध से बनते हैं। और वर्षा ऋतु के होने से गौ आदि पशुओं के भोजन घासादि मुख्य कर उसी समय अथवा उससे कुछ पहले अवश्य उत्पन्न होते हैं।

पशुओं के भक्ष्य घासादि की अधिकता से दूध अधिकतर उत्पन्न होता है। इस कारण खीर आदि वस्तु सुगमता से प्राप्त हो सकते है। श्राद्ध में खीर आदि पुष्ट वस्तुओं का प्रायरू विधान किया है। अन्नों के बीच उत्तम चावल मुख्य माने गये हैं। वे भी वर्षा की अधिकता से शरद ऋतु में ही उत्पन्न होते हैं। इसी कारण आश्विन (क्वार) के महीने में पूर्वकाल से नैमित्तिक श्राद्ध की परिपाटी चलाई गई थी। यह सत्य परम्परा अब नष्ट हो गई है, अर्थात वह श्राद्ध जिस उद्देश्य से पहले चलाया गया था, वैसा उद्देश्य अब नहीं रहा। अब कोई वैसे ज्ञानी लोगों को श्राद्ध के लिए न खोजता और न परीक्षा करता और न उसके मुख्य प्रयोजन को समझ कर श्राद्ध करता है। अब अधिकतर इसके ठीक विपरीत होता है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

गांधी के रास्ते पर चलने वाली शख्सियतें

आर.के. सिन्हा

हम भारतीय चाहें जितना भी गर्व कर सकते हैं कि महात्मा गांधी जैसी पवित्र शख्सियत का संबंध भारत से है। हालांकि , उनके प्रति सम्मान और आदर का भाव तो सारी दुनिया ही रखती है। वे अपने जीवनकाल और उसके बाद भी करोड़ों लोगों को अपने सत्य और अहिंसा के विचारों से प्रभावित करते हैं। अब भी सारी दुनिया में अनगिनत लोग गांधी जी को ही अपना आदर्श मानते हैं। इसी तरह से न जाने कितने लोग गांधी जी के रास्ते पर चलते हुए अपने – अपने ढंग से संसार को बेहतर बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। उनमें भी अब गांधी जी की छवि दिखाई देती है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। आप चाहें तो 88 साल की कात्सू सान को देश की सबसे खास गांधीवादी व्यक्तित्वों में एक मान सकते हैं। कात्सू सान राजघाट पर होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ती हैं। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। वह गुजरे 60 वर्षों से भी ज्यादा सालों से गांधी जी को पढ़ रही हैं और दुनिया को उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश दे रही हैं। कात्सू सान मूलतरू जापानी नागरिक हैं। वह 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं , ताकि य उन्हें वे और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से ऐसा साक्षात्कार हो गया कि उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का

निर्णय ले लिया। उनमें आप अपनी मां के चेहरे को देख सकते हैं। भारत को लेकर उनकी दिलचस्पी भगवान बौद्ध के चलते ही बढ़ी थी। पर अब तो उन्हें भारत ही अपना देश लगता है। वह कहती हैं कि भारत के कण–कण में पवित्रता है। भारत ही वास्तव में संसार का आध्यात्मिक विश्व गुरु है। भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर वो कहती हैं कि मुझे तो दुनिया में कोई अन्य देश मिला ही नहीं , जहां पर सरकारी कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होती हो। भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ पर सभी धर्मों का बराबरी का सम्मान मिलता है। कात्सू सान के मुताबिक भगवान बुद्ध और गांधी जी दोनों ही के रास्ते आपको एक दिशा में ही लेकर जाते हैं। इसीलिये ये दोनों सदैव प्रासंगिक रहने वाले हैं। दोनों का जीवन पीड़ा को कम करने और समाज से अन्याय को दूर करने के लिए ही समर्पित रहा था।

इसी प्रकार , गांधी जी की दर्जनों मूर्तियां बनाने वाले महान मूर्ति शिल्पकार राम सुतार जी बचपन से ही गांधी के रास्ते पर चलने लगे थे।वे जब गांधी जी की किसी प्रतिमा को शक्ल दे रहे होते हैं,तो उन्हें लगता है मानो वे गांधी से संवाद कर रहे हों। उन्हें गांधी जी की प्रतिमाओं पर काम करते हुए अपार आनंद मिलता है। संसद भवन के प्रांगण में लगी उनकी बनाई गांधी जी की मूर्ति तो बेजोड़ है। इसमें बापू ध्यान की मुद्रा में हैं। यह असाधारण मूर्ति 17 फीट ऊंची है। उनकी कृतियां मुंह से बोलती हैं। उन्होंने ही पटना के गांधी मैदान में स्थापित बापू की मूर्ति को भी तैयार किया था।

इसी तरह ब्रदर सोलोमन जॉर्ज भी पक्के गांधीवादी हैं। वे गांधी जी को ही अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उन्हें गांधी जी इसलिए भी अपने लगते हैं क्योंकि वह 12 मार्च 1915 को अपनी पहली राजधानी यात्रा के दौरान सेंट स्टीफंस कॉलेज में ही ठहरे थे। देश के कई शहरों में शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी से जुड़े हुए हैं ब्रदर सोलोमन। इसी संस्था ने सेंट स्टीफंस कॉलेज स्थापित किया था। ब्रदर सोलोमन बताते हैं कि गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में ईसाई मिशनरी जोसेफ डोक से भी मिले थे , जिन्होंने उनकी पहली जीवनी लिखी। वहां ही उनकी दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज से भी उनकी मुलाकात हुई। उन्हें लगता है कि गांधी जी विश्व भर में शांति के सबसे बड़े प्रेरक हुए हैं , जिन्हें दुनिया ने बुद्ध और ईसा मसीह के बाद देखा है। गांधी जी आज के दौर में भी उतने ही प्रासंगिक हैं , जितने कि वे अपने जीवन काल में थे। ब्रदर सोलोमन की पसंदीदा गांधीवादी शिक्षाओं में से एक है, ष्अगर कोई दुश्मन आपके बाएं गाल पर वार करे, तो उसे अपना दायां गाल दे दो।ष

आपको डॉ. विनय अग्रवाल में भी गांधी जी की छाया नजर आती है। पेशे से मेडिसिन के क्षेत्र से जुड़े हुए डॉ. अग्रवाल अपने स्तर पर लगातार वाल्मीकि समाज के नौजवानों को रोजगार और उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्हें दलितों के हक में गांधी जी के किए काम प्रभावित करते हैं। गांधी जी ने मंदिरों में दलितों के प्रवेश के लिए आंदोलनों का समर्थन किया। डॉ. अग्रवाल का बचपन राजधानी के कृष्णा नगर में बीता। उस दौरान उन्होंने वाल्मीकि समाज की बदहाली को अपनी आंखों से देखा। उसके बाद वे जब सक्षम हुए तो उन्होंने वाल्मीकि समाज के लिए ठोस काम करने शुरू किये। इसकी प्रेरणा उन्हें गांधी जी से ही मिली। वे कहते हैं कि गांधी की आत्मकथा पढ़ने वाले भलीभांति जानते है कि वे बचपन से ही अस्पृश्यता को नहीं मानते थे।

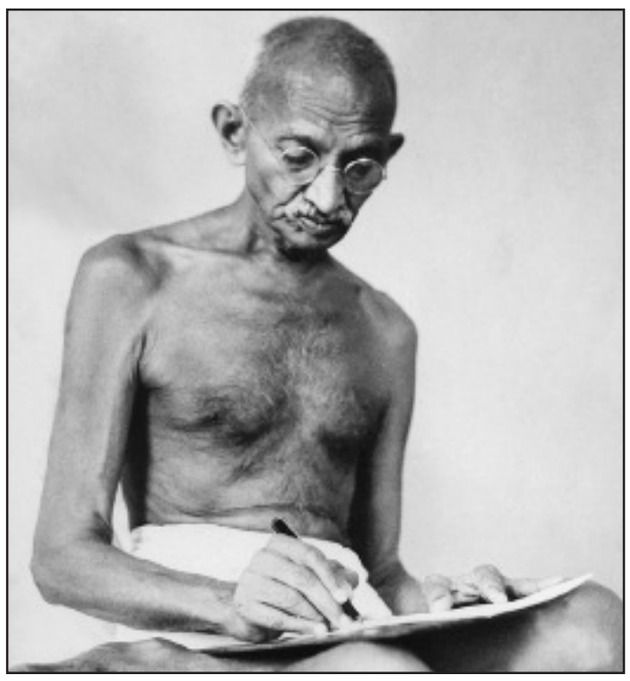

अब 62 वर्षीय कृष्णा विद्यार्थी को ही लें। वे राजधानी के पंचकुइयां रोड पर स्थित वाल्मीकि मंदिर के काम–काज को देखते हैं। वाल्मीकि मंदिर और गांधी जी का गहरा संबंध रहा है ।वे इसी मंदिर परिसर के एक साधारण से कमरे में 1 अप्रैल 1946 से लेकर 10 जून 1947 तक रहे। कृष्ण विद्यार्थी बीते चालीस सालों से उस कमरे को रोज सुबह साफ–स्वच्छ करते हैं, जिसमें गांधी जी रहते थे। वाल्मीकि समाज से रिश्ता रखने वाले कृष्ण विद्यार्थी कहते हैं कि गांधी जी वाल्मीकि समाज की दशा को सुधारने के लिए जीवन पर्यंत सक्रिय रहे। गांधी जी ने वाल्मीकि परिवारों के बच्चों को यहां पढ़ाया भी। उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब गांधी जी 7 सितंबर, 1947 को अंतिम बार दिल्ली आए तो उन्हें वाल्मीकि बस्ती की बजाय बिड़ला हाउस में लेकर जाया गया। तब कहा गया कि वाल्मीकि बस्ती में उनके लिए असुरक्षित है। पर जो जगह कहने को सुरक्षित थी, वहां पर ही उन्हें मार डाला गया। कृष्ण विद्यार्थी के नेतृत्व में यहां पर हरेक 2 अक्तूबर और 30 जनवरी को सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित होती है। वे खुद गांधी जी के विचारों के प्रसार–प्रचार के लिए देश के कोने–कोने में जाते रहते हैं।

बेशक, ये सब महान शख्सियतें गांधी जी के विचारों को देश–दुनिया में लेकर जा रही हैं। देश–दुनिया में इनके जैसे अनगिनत गांधी वादी

कार्यालय - नगर निगम, प्रयागराज

पत्रांक : 43/निविदा सूचना/2024, दिनांक: 05/12/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

महाकुम्भ मेला-2025 के दृष्टिगत नगर निगम, प्रयगराज के समस्त पंजीकृत ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्यों की निविदा टू बिड सिस्टम के आधार पर दिनांकः 31.12.2024 को अपरान्हह्न 3-00 बजें तक आमंत्रित की जाती है। दिनांकः 31.12.2024 को सायंकाल 04-00 बजे निविदा समिति के समक्ष निविदा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 30.12.2024 को प्रातः 10.30 बजे से सायं 02.00 बजे तक जनकार्य विभाग से प्राप्त किया जा सकता है (निविदा प्रपत्र उन्ही निविदादाताओं को वितरण किया जायेगा जिनके द्वारा वांछित निविदा भशुल्क जमा रसीद की छायाप्रति उपलब्ध करायी जायेगी एवं वही रसीद की मूलप्रति निविदा के समय संलग्न करना अनिवार्य होगा।)। तकनीकी एवं वित्तीय बिड के लिफाफे को एक बड़े लिफाफे में डालकर मुख्य अभियन्ता कार्यालय कक्ष में रखे निविदा बाक्स में डाला जाना अनिवार्य होगा। निविदा हेतु वांछित दो प्रति ात जमानत धनरा को NEFT/RTGS के माध्यम से इण्डसइण्ड बैंक सिविल लाइन्स, प्रयागराज में Earnest Money के नाम से खोले गये खाता संख्या 100116210062 व IFSC CODE. INDB0000124 एवं निविदा भशुल्क को NEFT/RTGS के माध्यम से Tender Cost खाता संख्या 100116210130 व IFSC CODE. INDB0000124 में जमा किया जा सकता है अथवा दो प्रतिशत जमानत धनरा सी०डी०आर० / एफ०डी०आर०/एन०एस०सी०, भी मान्य होगा. (जो नगर अभियन्ता / मुख्य अभियन्ता, नगर निगम प्रयागराज के पक्ष में बन्धक होगी।) (सी०डी०आर०/एफ०डी०आर०/एन०एस०सी०, की वैधता अवधि 31 दिसम्बर 2024 तक होना अनिवार्य होगा), जिसे निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। जी०एस०टी० का भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी0एस0टी रहित)	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत	निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	जोन–01 वार्ड–96 अन्तर्गत जमुना वैली स्कूल के सामने से सदिक पार्क के पास तक पटरी व नाली निमार्ण का कार्य।	821577.00	16450	944	01 माह
2.	जोन–01 वार्ड–93 मे निराला स्वीट हाउस के बगल से शेख मस्जिद तक नाली गली का सुधार कार्य।	316263.00	6350	354	01 माह
3.	जोन–06 वार्ड–59 नीम सरांय मे दशहरा एवं दुर्गा पूजा के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त गली एवं कल्वर्ट का मिनार्ण कार्य।	305511.00	6150	354	01 माह
4.	जोन–03 वार्ड–26 सिविल लाइन्स में कान्हा श्याम होटल के बगल की क्षतिग्रस्त सी0सी0 गली का सुधार कार्य।	831843.00	16650	944	01 माह
5.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड–94 के मोहल्ला चौखण्डी में गुलाब निशाद भोला निशाद से सुरेश निशाद संतोश कुमार से तेज प्रताप सिंह, अनिल मिश्रा मंदिर के पास क्षतिग्रस्त नाली, गली में सी0सी0 एवं पुलिया का सुधार कार्य।	265789.00	5350	354	01 माह
6.	जोन–4 के अन्तर्गत वार्ड–62 नई बस्ती के अन्तर्गत मोहल्ला बाई का बाग स्थित दुर्गा पूजा पार्क के पास क्षतिग्रस्त इण्टरलाकिंग का निमार्ण कार्य।	398951.00	8000	472	01 माह
7.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड–62 के मो0 बाई का बाग मे निकट टोपन दास शॉप नाली तथा साइट पटरी का इण्टरलाकिंग के द्वारा सुधार कार्य।	303968.00	7000	944	01 माह
8.	जोन–05 वार्ड–04 के अन्तर्गत पूरेखगन में राजू के घर से मानसिंह के घर तक नाली निमार्ण कार्य।	591111.00	11850	708	01 माह
9.	जोन–05 वार्ड–29 के अन्तर्गत मझगवॉ में राके ा पटेल के मकान से निरज निशाद के मकान तक नाली एवं इण्टरलाकिंग का कार्य।	648980.00	13000	708	01 माह
10.	जोन–05 वार्ड–22 के अन्तर्गत बघवॉ में राम धारी पटेल के मकान से हरिश्चन्द्र छब्बू पटेली के मकान तक नाली एंव इण्टरलाकिंग क कार्य।	301479.00	6050	354	01 माह
11.	जोन–08 वार्ड–'11 अमरसापुर में शीतला माता मंदिर के पास रामलीला मैदान पर इण्टरलाकिंग टाईल्स लगाने का कार्य।	574204.00	11500	708	01 माह
12.	जोन–08 वार्ड–50 कटका में एम0आर0एफ0 सेन्टर से सम्बन्धित सी0सी0 रोड़ एवं कल्वर्ट का निमार्ण कार्य।	833125.00	16680	944	01 माह
13.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड'–94 चौखण्डी कीडगज के अन्तर्गत रेनू केसरी के मकान से हरीश कुमार श्रीवास्तव राम करन यादव सरस्वती देवी के मकान से कन्हैया लाल के मकान तक राजा मोहल्ला में लतीफ के घर के सामने से कल्लू यादव तक बेटअनू पण्डा से नीम के पेड़ तक चौखण्डी चौरा जाली के सामने पूरा डाकू में गोल्डी के मकान से श्यामू महराज तक विनोद चाट वाली गली चौखण्डी रोड़ पर बेनीमाव होटल के पास प्रवीण आदि के पास गली एवं नाली मरम्मत का कार्य।	456612.00	9150	590	01 माह
14.	भारतीय भवन रोड़ के पास प्राचीन शंकर जी के मंदिर के बगल की गली मं म0नं0–34/23 ऊँचा मण्डी के बुलबुल भईया के आवास के पास गली का सुधार कार्य।	865561.00	17350	1062	01 माह
15.	जोन–03 वार्ड–41 र्डगंज में डा0 राकेश चन्द्रा के मकान से उमा कु शवाहा के मकान तक पटरी एवं नाली का निमार्ण/मरम्मत कार्य।	841027.00	16821	9449	01 माह
16.	जोन–03 वार्ड–78 नया कटरा हवाई जहाज चौराहे के सन्निकट मॉ भगवती एण्ड चाइल्ड केयर सेंटर के सामने क्षतिग्रस्त मार्ग का सी0सी0 सुधार एवं नाला कवरिंग कार्य।	838767.00	16760	944	01 माह
17.	जोन–01 वार्ड–96 अन्तर्गत ए0बी0सी0 सेन्टर में गार्ड रूम के पास शौचालय के स्नानागार निर्माण कार्य।	127066	2541	118	01 माह
18.	जोन–03 वार्ड–13 अ शोक नगर के अन्तर्गत सुभद्रा सदन से उषा भवन म0न0–337/117/यू0–5 तक सी0सी0 सड़क नाली का निर्माण कार्य।	606793	12136	708	02 माह
19.	जोन–01 वार्ड–28 झूलेलाल नगर अन्तर्गत बीना सरकार से सुरेश चन्द्र शुक्ला तक क्षतिग्रस्त गली का सुधार कार्य।	164038	3281	236	01 माह
20.	जोन–03 वार्ड–07 राजापुर में सत्येन्द्र सोनकर (पूर्व पार्षद) के मकान से सुरेन्द्र सोनकर के मकान तक सी0सी0 सड़क एवं नाली पुर्ननिर्माण कार्य।	431476	8630	472	02 माह
21.	जोन–03 वार्ड–61 कर्नलगंज में सीता रामबाबू की आंतरिक गली में सी0सी0 मरम्मत एवं नाली सुधार कार्य।	830977	16620	944	02 माह
22.	जोन–01 वार्ड–91 अकबरपुर डी0–ब्लाक में सनी डिस नेटवर्क की गली का निर्माण/मरम्मत का कार्य।	184379	3688	236	01 माह
23.	जोन 2 वार्ड 76 अतरसुईया अन्तर्गत म0नं0–140 धीरज गुप्ता व मकान नं0–146 होते हुए श्याम जी टण्डन के मकान तक नाली सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	538229	10765	590	02 माह
24.	जोन–03 ममफोर्डगंज में राजेश गौतम से अनिल होम गार्ड के मकान होते हुये बुधिया बुआ के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	838789	16776	944	02 माह
25.	जोन–05 वार्ड–22 के अन्तर्गत मामा भांजा प्रेम नगर कालोनी में रामबाबू जायसवाल के घर से दीपक अग्रवाल के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग का कार्य।	842263	16845	944	02 माह
26.	जोन–05 वार्ड–8 के अन्तर्गत रेहीकलॉ में प्राईमरी स्कूल, परमानंद और दशरथ भारतीया के मकान के सामने नाली एवं कल्वर्ट का कार्य।	250750	5015	354	01 माह
27.	जोन–05 वार्ड–22 के अन्तर्गत धनुहॉ में दूधनाथ ददरी में तुलसी झल्लार ददरी में रवि के घर के पास नेवती में अमन के घर के पास सर्वेश के घर के पास नाली कल्वर्ट का निर्माण कार्य।	161031	3221	236	01 माह
28.	जोन–05 वार्ड–4 के अन्तर्गत नीबी और पतेवारा में कल्वर्ट एवं नाली का कार्य।	229568	4591	236	01 माह
29.	जोन–05 वार्ड–29 के अन्तर्गत मडकैनी में बच्चा लाल भारतीया निरंजन धर से नीरज नि शा मझगवा गुलाब सिंह पटेल धर्मराज भारतीया के मकान के सामने पुलिया नाली निर्माण का कार्य।	297744	5955	354	01 माह
30.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड सं0–69 अल्लापुर के मो0 आलोपीबाग में निकट लोहा पार्क के पास साइड पटरी एवं नाली का सुधार कार्य।	386551	7731	472	01 माह
31.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड सं0–38 के मोहल्ला पूरा दलेल में ए0के0 राय सत्य विधा मंदिर से राजन अग्रवाल के म0न0–372/72/2 तक सी0सी0 सड़क एवं नाली का सुधार कार्य।	300855	6017	354	01 माह
32.	जोन–02 वार्ड–76 अतरसुईया पजावा राम लीला स्थल के पास क्षतिग्रस्त सी0सी0 फुटपाथ मरम्मत व बाउण्ड्री वाल का रंगाई पुताई का कार्य।	236026	4721	236	01 माह
33.	जोन–02 वार्ड–76 अतरसुईया के अन्तर्गत कल्याणी देवी मंदिर चाचर नाला के पास इण्टरलाकिग टाईल्स मरम्मत का कार्य।	162715	3254	236	01 माह
34.	जोन–02 वार्ड–76 अतरसुईया के अन्तर्गत पजावा रामलीला स्थल के सामने मुख्य मार्ग पर सड़क पटरी व नाली का सुधार कार्य।	216275	4326	236	01 माह
35.	जोन–08 वार्ड–50 कटका कौ शल्या भवन से किरन कुमेश तिवारी के मकान तक इण्टरलाकिंग टाईल्स रोड नाली पुलिया का निर्माण कार्य।	816029	16321	944	02 माह
36.	जोन'–04 के वार्ड–69 अल्लापुर के अन्तर्गत 60 फिट रोड़ पर रमेश अन्न भण्डार से पी0एन0 पाण्डेय के मकान तक क्षतिग्रस्त नाला स्लैब का सुधार कार्य।	320083.00	6410	354	01 माह
37.	जोन–02 वार्ड–98 चढ़ढा रोड़ पर बच्चा जी धर्मशाला के सामने की क्षतिग्रस्त इण्टरलाकिंग पटरी का मरम्मत कार्य।	584603.00	11700	708	01 माह
38.	जोन–03 में पुरानी कचहरी के गेट नं0–04 से श्री विजय बहादुर सिंह (पूर्व सांसद) के मकान तक गेट नं0–01 से मंदिर तक नाले का निमार्ण कार्य,पुराने जज कार्यालय से गेट नं0–02 तक नाली निमार्ण कार्य, कचहरी कैम्पस के में स्थित 03 जल प्याऊ के प्लेटफार्म का निमार्ण कार्य, कचहरी कैम्पस के बेसमेंट में जाने वाले रास्ते पर 02 कसिंग का निमार्ण कार्य, जगराम चौराहा से प्रयाग गोर्डेन तक नाली का निमार्ण कार्य व जगराम चौराहे से गेट नं0–02 तक मूत्रालय से चैम्बर तक नाला व नाली सफाई का कार्य।	836744.00	16734	944	02 माह
39.	जोन–01 वार्ड–96 अन्तर्गत बी0–163–165 जीम खालिद के मकान से शफी हाउस बी0–141 के0–सी0 गौस एवं पार्क के चारो तरफ सी0सी0 द्वारा सड़क सुधार कार्य।	876719.00	17550	1062	02 माह
40.	जोन–03 वार्ड–23 सादियाबाद मे बृजेश उपाध्याय के मकान से संजय द्विवेदी सुरेश द्विवेदी के मकान से होते हुए म0न0–61डी0/7डी0/5सी0/दया यादव के मकान तक क्षतिग्रस्त गली का सी0सी0 एवं नाली सुधार कार्य।	792708.00	15860	944	02 माह
41.	जोन–01 वार्ड–44 चकिया के अन्तर्गत अजय श्रीवास्तव गली का सुधार कार्य।	250317.00	5006	354	30 दिवस

पत्रांक : सं0डी-3315/ज0सम्पं0अधि0/2024,
दिनांक 05.12.2024

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम प्रयागराज

महाकुम्भ–2025 के सकुशल एवं सुरक्षित आयोजन के दृष्टिगत 05.12.2024 को पुलिस आयुक्त प्रयागराज, पुलिस महानिरीक्षक परिक्षेत्र, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुम्भ मेला द्वारा एन्टी ड्रोन कवच का परीक्षण किया गया। इस एन्टी ड्रोन प्रणाली के द्वारा मेला क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित ड्रोन को डिटेक्ट कर उसे निष्क्रिय किया जा सकेगा।

were nominated Digital Bharat Summit

Prayagraj! We are delighted to share a proud moment for Prayagraj Smart City.“Our projects, ERP for Nagar Nigam and Comprehensive Crowd Management for Maha Kumbh 2025, were nominated in the prestigious Digital Bharat Summit 2024 held on 29th November 2024. It is an honor that Prayagraj Municipal ERP project under Prayagraj Smart City has been awarded under the Best Innovation in Digital and E-Governance category.“This recognition is a testament to the vision and leadership of CEO and Mayor Sir and the collective efforts of everyone involved. “Congratulations to the entire PSCL family for this remarkable achievement.

हाईकोर्ट ने कहा, आदेश का पालन नहीं होने पर न्यायालय में उपस्थित रहेंगे एसएसपी गोरखपुर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी डिग्री पर पैथॉलाजी चलाने के मामले में कहा कि एसएसपी गोरखपुर अगली तारीख तक जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं करते हैं तो 11 दिसंबर को न्यायालय में उपस्थित रहेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने मुकदमों को रद्द करने की राम पांडेय की याचिका पर दिया। गोरखपुर निवासी डॉ. राहुल नायक ने 17 मई 2024 को राम पांडेय पर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि राम पांडेय ने फर्जी तरीके से उनकी डिग्री प्राप्त कर पैथॉलाजी चला रहे थे। आरोपी ने दर्ज मुकदमे को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इसी मामले में डॉक्टर की तरफ अधिवक्ता अश्विनी कुमार श्रीवास्तव व अभ्युदय मेहरोत्रा ने कैविएट फाइल किया था। दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग का विरोध किया। बुधवार को अपर शासकीय अधिवक्ता जीपी सिंह ने 07 नवंबर 2024 के आदेश का अनुपालन के लिए सुनवाई को स्थगित करने की प्रार्थना की। इस पर न्यायालय ने निर्देश दिया कि अगली तारीख 11 दिसंबर तक आदेश को पालन नहीं हुआ तो एसएसपी और विवेचना अधिकारी अदालत में उपस्थित रहेंगे।

कॉरिडोर बनने के पहले अवैध पार्किंग शुरू

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में अवैध पार्किंग से मरीजों को इलाज कराने में परेशानी हो रही है। वार्डों के सामने वाहन खड़े करने के साथ अब अस्पताल में बनाए जा रहे नए कॉरिडोर में भी लोगों ने पार्किंग करना शुरू कर दिया है। ट्रामा सेंटर से स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग तक मरीजों को सुरक्षित और शीघ्र लाने व ले जाने के लिए कॉरिडोर बनाया जा रहा है। कॉरिडोर लगभग बनकर तैयार हो गया है। लेकिन अस्पताल के कर्मचारी अपनी बाइक कॉरिडोर में ही खड़ी करते हैं। इससे स्ट्रेचर और व्हीलचेयर पर मरीजों को वार्ड तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है।

महाकुम्भ के दौरान डेयरियों में कैद रहेंगे मवेशी

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान हजारों मवेशी डेयरियों से बाहर नहीं निकल पाएंगे। शहर के कई क्षेत्र में डेयरी संचालकों को नगर निगम का पशुधन विभाग महापर्व के दौरान मवेशियों को डेयिरियों में ही रखने का निर्देश दे रहा है। मेला की अवधि में डेयरियों से मवेशी निकलेंगे तो पहली बार उन्हें कांजी हाउस में बंद किया जाएगा। दूसरी बार पकड़े जाने पर मवेशी की नीलामी की जाएगी। संगम को जोड़ने वाले शहर के सभी बड़े मार्ग और आसपास की गली के अलावा धर्मक्षेत्र के किनारे मोहल्लों में डेयरी संचालकों को कई बार निर्देश दिया जा रहा है। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि महाकुम्भ की अवधि में संगम से जुड़े मार्गों पर मवेशियों की रोकथाम करने की पूरी कोशिश की जा रही है। मार्गों पर निगरानी के लिए कर्मचारी भी लगाए जाएंगे। डेयरी संचालकों को एक महीने से दी जा रही चेतावनी का असर हो रहा है। महात्मा गांधी मार्ग पर मवेशियों का आना नगण्य हो गया है। मार्ग पर निगरानी के लिए कर्मचारी लगाए गए हैं। मांस की दुकानें 31 तक करनी होगी बंद महाकुम्भ के मद्देनजर संगम क्षेत्र के आसपास मोहल्लों में 31 दिसंबर तक मांस–मछली की दुकानें बंद करनी होंगी। नगर निगम का पशुधन विभाग की ओर से संगम क्षेत्र के 500 मीटर दायरे में दुकानें बंद करने का अल्टीमेटम दिया जा रहा है। दारागंज, मधवापुर, अलोपीबाग, कीडगंज, बैरहना, अल्लापुर, सलोरी, झूंसी और नैनी के दुकानदारों को अल्टीमेटम दिया गया है। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि संगम क्षत्र के 500 मीटर दायरे में 100 से अधिक दुकानें हैं। कई अस्थाई दुकानों का चालान भी किया गया है।

संतो को बांटे जूट के बैग

प्रयागराज। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश सरकार श्री अरूण कुमार सक्सेना ने संतों को जूट का बैग बांटा। प्रदेश सरकार के मंत्री गत दिवस संगम क्षेत्र पहुंचे और अखाड़ों के संतों से मिले। सतुआ बाबा से मुलाकात करने के बाद मंत्री बाघंबरी मठ गए। मंत्री ने संतों से पॉलीथीन और प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में बात की। सभी से प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया। नगर निगम के जोनल अधिकारी संजय ममगई के अनुसार मंत्री ने सभी संतों से प्लास्टिक का त्याग कर जूट या कपड़े का बैग इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

महाकुंभ में सीबीसी द्वारा प्रचार प्रसार की समीक्षा की

प्रयागराज। आगामी महाकुंभ–2025 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय दल दो दिवसीय दौरे पर 4 और 5 दिसंबर को प्रयागराज में रहा। जिसमें प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी,पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक धीरेंद्र कुमार ओझा,दूरदर्शन की महानिदेशक कंचन प्रसाद,आकाशवाणी की महानिदेशक प्रज्ञा पालीवाल, दूरदर्शन समाचार की महानिदेशक प्रिया कुमारी समेत मंत्रालय के कई अधिकारी शामिल रहे। इस दल ने महाकुंभ मेले के आयोजन में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न मीडिया इकाइयों आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा मेले के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश दिये। दल ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन कुंभ मेला क्षेत्र का भ्रमण किया तथा मेला क्षेत्र में मंत्रालय की मीडिया इकाइयों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इससे पहले कल सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत एवं मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के साथ भी बैठक की जिसमें मंत्रालय द्वारा कुंभ मेले के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु मंत्रालय द्वारा किये जा रहे कार्यो के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। महाकुंभ 2025 के लिए व्यापक तैयारियां जारी हैं, और इस दौरे को आयोजन की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मंत्रालय के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि मीडिया और संचार व्यवस्थाएं आयोजन की वैश्विक पहुंच को प्रभावी बनाने में सहायक होंगी।

मुख्यमंत्री उप्र शासन के आगमन के दृष्टिगत नगर आयुक्त द्वारा नगर का निरीक्षण किया

प्रयागराज। महाकुंभ के कार्यों की दृष्टिगत मुख्यमंत्री नगर आयेंगे। भ्रमण के दृष्टिगत नगर आयुक्त ने लोहिया मार्ग, सरोजनीन नायडू मार्ग, धोबीघाट, लोकसेवा आयोग, हिन्दू हास्टल चौराहा, पुलिस लाइन वीआईपी रोड, बालसन चौराहा, आनन्द भवन, अलोपीबाग, फोर्ड चौराहा, शास्त्रीबृज झूंसी, परेडग्राउन्ड, बागड़ धर्मशाला बैरहना चौराहा नयापुल, अरैल रोड एवं घाट, डीपीएस स्कूल तक तथा माधमेला क्षेत्र में निर्मित नगर निगम कैम्म तक का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त द्वारा उक्त सभी मार्गों से अतिक्रमण, मलवा हटवाए जाने के निर्देश के साथ समुचित रूप से साफ–सफाई कराते हुए चूना, कीटनाशक का छिडकाव कराये जाने के तथा अवश्यकतानुसार व्यूकटर लगाये जाने के निर्देश दिये गये। आजाद पार्क के आस पास अतिक्रमण करने वाले तथा आवारा पशुओं की धरपकड़ तथा एसे सभी लोगों के विरूद्ध अभियान चलाते हुए नियमानुसार जुर्माना वसूल किये जाने के निर्देश अपर नगर आयुक्त तथा पुशचिकित्सक कल्याण अधिकारी को दिये गये। उक्त सम्पूर्ण क्षेत्र में सीवर ओवर फ्लो, पेयजल लीकेज को ठीक कराये जाने के निर्देश महाप्रबन्धक जलकल को दिये गये, इसके साथ ही नगर आयुक्त द्वारा अरैल स्थित शिवालय पार्क का भी निरीक्षण किया गया इस दौरान सम्बन्धित वेन्डर, एजेन्सी को यथाशीघ्र कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। अपर नगर आयुक्त अरविन्द राय, अम्बरीश बिन्द, मुख्य अभियनता सतीश कुमार, संजय कटियार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी अभिषेक सिंह, पुशचिकित्सक कल्याण अधिकारी विजय अमृतराज, महाप्रबन्धक जलकल उपस्थित रहे।

रुद्रा अपार्टमेंट में हुई चोरी के खुलासे में पांच टीम गठित, पुलिस ने कई संदिग्धों को उठाया

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के रीवा राजमार्ग के मामा भांजा तलाबा चौराहे के पास स्थित रुद्रा एन्क्लेव अपार्टमेंट में सोमवार रात सात फ्लैटों में हुई चोरी के खुलासे के लिए नैनी पुलिस और एसओजी की पांच टीमें बनाई गई है। वहीं मामले में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना में मिले सीसीटीवी फुटैज के आधार पर पुलिस चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है मामले में जल्द खुलासा कर दिया जाएगा। बता दे कि अपार्टमेंट के टॉवर तीन में रहने वाले व्यापारी अभिषेक गुप्ता, अधिवक्ता विंध्यवासिनी पांडे उनके पड़ोसी सुषमा ओझा और उपर वाले तल में रहने वाले ठेकेदार ईश नारायण पांडे के साथ टॉवर दो में रहने वाले सुमन अग्रवाल, एलआईसी कर्मचारी अरूण श्रीवास्तव व फ्लैट में किराए पर रहने वाले छात्र आनंद सिंह परिहार के फ्लैट का निशाना बनाया। पीड़ितों के अनुसार चोर नगदी सहित लाखों के आभूषण उठा ले गए थे। चोरी की सूचना पर मौके पर फ्रिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वायड टीम के साथ एसओजी यमुनापार की टीम पहुंची थी। मामले में नैनी पुलिस और एसओजी की पांच टीमें बनाई गई है। वहीं मामले में आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मांने तो अभी हाल में चोरी के मामले में जेल से छूटे लोगों की तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार महेवा स्थित अपार्टमेंट और यहां हुई चोरी को एक ही गैंग ने अंजाम दिया है। साथ ही चोरी करने वाले लोगों को बंद फ्लैटों के बारे में जानकारी थी। पुलिस मामले में सीसीटीवी कैमरे की फुटैज के आधार पर चोरों की पहचान करने के साथ ही सिक्योरिटी गार्ड और फ्लैट में काम करने आने वाले लोगों से पूछताछ करने में जुटी है। प्रभारी नैनी कोतवाली वैभव सिंह ने बताया कि चोरी के खुलासे के लिए टीम बनाई गई है, जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। नैनी के बाद अब शातिर चोरों ने गंगापार के हनुमानगंज स्थित रुद्रा अपार्टमेंट में छह दिन के भीतर दूसरी दफे धावा बोलकर हड़कंप मचा दिया है। छह दिन पहले शातिर चोरों ने हाईकोर्ट अधिवक्ता के सूने फ्लैट पर धावा बोलकर लाखों का सामान पार कर दिया। इसी बीच मंगलवार की रात शातिर चोरों ने एक बार फिर रुद्रा अपार्टमेंट में धावा बोला। शातिर चोर फ्लैट के दरवाजे में लगे तीन में से दो लॉक तोड़ने में सफल हो गए लेकिन तीसरा ताला नहीं तोड़ पाए। उजाला होने के कारण शातिर चोर वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई तो मौके पर पहुंची और तफ्तीश की। हालांकि शातिर चोरों का अब तक सुराग नहीं लग सका है। हाईकोर्ट अधिवक्ता उदयशंकर मिश्र सरायइनायत थाना क्षेत्र के नसीरापुर गांव स्थित रुद्रा अपार्टमेंट के टॉवर एक में रहते हैं। उन्होंने टॉवर 2 में एक फ्लैट पर किराए पर लेकर अपना आफिस बना रखा है। 29 नवंबर की रात शातिर चोर सूने पड़े फ्लैट पर पहुंचे और दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर दाखिल हो गए। इसके बाद शातिर चोरों ने चांदी और पीतल के बर्तन के साथ ही अन्य सामान पार कर दिया। शातिर चोरों ने तकरीबन ढाई लाख रुपये का सामान पार कर दिया था। घटना की जानकारी 30 नवंबर की सुबह हुई तो खलबली मच गई। सूचना पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची औ तफ्तीश की। इसी बीच मंगलवार की रात शातिर चोरों ने अपार्टमेंट में एक बार फिर धावा बोला। शातिर चोरों ने रिटायर्ड इफ्को अफसर आरपी सिंह के सूने मकान पर धावा बोला। आरपी सिंह इन दिनों नागपुर अपने बेटे के पास गए हैं। शातिर चोर फ्लैट के मुख्य दरवाजे पर लगे तीन तालों में से दो तोड़ने में सफल हो गए थे लेकिन तीसरा ताला नहीं तोड़ पाए। संभवतरू उजाला हो जाने के कारण शातिर चोर वहां से फरार हो गए। छह दिन के भीतर लगातार दूसरी दफे शातिर चोरों की धमा–चौकड़ी से अपार्टमेंट के लोग सकते में हैं। हालांकि शातिर चोरों का कोई सुराग नहीं लग सका है।

स्वामी स्वरूपानंद ने हनुमानजी के दिव्य गुणों का किया बखान, भाव विभोर हुए भक्त

प्रयागराज। गंगा तट पर स्थित चिन्मय मिशन में चार दिवसीय ज्ञान यज्ञ, मिशन के विश्व प्रमुख स्वामी स्वरूपानंद के प्रवचन का समापन हुआ। मिशन के सदस्य तथा श्रोताओं ने स्वामी जी के मुख से ‘हनुमानाष्टक’ की अद्भुत व सरस व्याख्या का आनंद लिया, महाराज ने हनुमान जी के व्यक्तित्व के दिव्य गुणों, उनकी अनन्य भक्ति तथा भगवान के काज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अलौकिक प्रेम के विषय में अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत किया। ये कक्षायें एक से चार दिसंबर तक रसूलाबाद स्थित मिशन की प्रयाग शाखा के अखिलेश्वर महादेव मंदिर में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम के समापन में मिशन के वरिष्ठ सदस्यों एवं अन्य पदाधिकारियों ने स्वामीजी के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया तथा कक्षा की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इसके बाद गुरुदक्षिणा का कार्यक्रम हुआ और महाराज जी ने सबको प्रसाद पुस्तिका प्रदान की। सत्संगी भाइयों ने बुक स्टाल पर जाकर अपने व अपने बच्चों के लिये अनेक ज्ञानवर्धक मिशन की पुस्तकें भी खरीदीं। आश्रम में समष्टि भिक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी महात्माओं ने, ट्रस्ट के सदस्यों ने व भक्तों ने भाग लिया। श्री हनुमान जी के प्रति अनन्य भक्तिभाव से सम्पन्न होकर सभी भक्तों ने स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मणिपुर बनाना चाहते है यूपी– अंशुमान मिश्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में हुई हिंसा की जानकारी एवं पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष जननायक सांसद राहुल गांधी तथा कांग्रेस की महासिचव सांसद प्रियंका गांधी को

प्रशाशन ने जाने की अनुमति नहीं दिया जिसके विरोध में बुधवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी के निर्देश पर पत्थर गिरिजाघर सिविल लाइन से सुभाष चौराहे तक कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पदाधिकारी सम्मिलित रहे कैंडल मार्च के समाप्ति स्थल पर बोलते हुए महानगर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने कहा कि बीजेपी सरकार उत्तर प्रदेश को मणिपुर जैसे बनाना चाहती है जननायक राहुल गांधी जी को सम्भल न जाने देना इनके प्रशाशन की अक्षमता तथा योगी सरकार की फेल कानून व्यवस्था का परिचय देता है भाजपा सत्ता का प्रयोग हिंदू मुस्लमान के बीच वैमनस्यता फैलाने का काम कर रही है सम्भल में सर्वे की आड़ में हिंदू मुस्लमान को भड़काया जा रहा है प्रशाशन चुप है कैंडल मार्च में प्रमुख रुप से महानगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन, राजेश राकेश, संजय तिवारी, मोहम्मद इरफान, लल्लन पटेल,नयन कुशवाहा, विनय पांडेय,राकेश श्रीवास्तव,अशफाक, विक्रम पटेल,विशाल सोनकर, सौरभ चौधरी, शुभम शुक्ला, श्याम जी शुक्ला, इस्तियाक अहमद,अंजुम नाज,फरहान,अब्दुल कलाम आजाद,शादाब अहमद, विष्णु कान्त पांडेय, विजय यादव, इरशाद उल्ला,रमेश यादव,इसरत अली चाँद, संतोषनंद महाराज उपस्थित रहे...

शहर के प्रतिष्ठित अस्पताल फिनिक्स और सृजन हॉस्पिटल में आयकर ने मारा छापा, मचा हड़कंप

प्रयागराज। शहर के प्रतिष्ठित अस्पताल फिनिक्स और सृजन हॉस्पिटल में आयकर ने छापा मार दिया। इससे मरीजों और तीमारदारों समेत अस्पताल के चिकित्सकों में अफरातफरी मची रही। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। शहर के मशहूर गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर आलोक मिश्रा, विभव मालवीय, जेपी राय समेत अन्य डॉक्टरों के घर पर सुबह आयकर विभाग के अफसरों ने छापा मार दिया। सभी डायरेक्टरों को फिनिक्स हॉस्पिटल में बुलाया गया। उधर, आयकर विभाग की अन्य टीमों ने उनके घरों पर छापा मार कर सर्च अभियान चलाया। इसके अलावा सिविल लाइंस के एल्गिन रोड स्थित सृजन अस्पताल में भी टीमें पहुंची। बालसन चौराहे के निकट कर्नलगंज इंटर कॉलेज के पीछे फोनिक्स अस्पताल में भी घंटों छानबीन की गई। करवाई शाम तक जारी रही। करोड़ों रुपये की आयकर चोरी मामला सामने आ रहा है।

पांटून पुल न बनने से छोटे व्यापारियों की बढ़ी मुश्किल

गंगापार। कौशाम्बी एवं प्रयागराज को जोड़ने वाला पांटून पुल इस वर्ष नहीं बन पाया जिसके लिए स्थानीय लोगों के साथ–साथ छोटे व्यापारियों में भी आक्रोश व्याप्त है। एक नवंबर से प्रयागराज के लालपुर एवं जमुनापार सराय अकिल कौशांबी को जोड़ने के लिए पीपा पुल का निर्माण किया जाता रहा है जिससे जमुना पार के दर्जनों गांव से लोग सब्जी दाल तरबूज अमरूद आदि सब्जियां एवं फलों को लेकर शंकरगढ़, बारा , लालापुर ,बरगढ़ आदि क्षेत्रों में साइकिल मोटरसाइकिल इत्यादि वाहनों से लेकर आया करते थे एवं अपना जीवन यापन करते हैं । इस बार पीपा पुल का निर्माण नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है की कुंभ मेले की वजह से जितने पीपा पुल रखे गए थे उसको प्रयागराज लेकर चले गए। इससे इस बार इस पीपा पुल का निर्माण नहीं हो पा रहा है। पीपा पुल का निर्माण न होने से स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है क्योंकि शंकरगढ़ थाना क्षेत्र से लालपुर होते हुए कौशांबी की ओर जाने वाले या उधर से आने वाले कई वाहन ऐसे हैं जो की समय सीमा के अंदर इधर से ही गुजारा करते हैं। पीपा पुल बनने से ट्रैफिक में भी होगी सुविधा कानपुर फतेहपुर की ओर से आने वाले चार पहिया वाहन इस पीपा पुल से होते हुए मिर्जापुर,रीवा आदि जगहों पर जा सकते हैं ।अगर पीपा पुल का निर्माण हो जाता है तो ऐसे कई वाहन है जो शहर में प्रवेश नहीं करेंगे जिससे आने वाले कुंभ मेला में ट्रैफिक से भी थोड़ा निजात मिल सकता है ।अगर स्थानीय प्रशासन एवं जिला प्रशासन इस ओर ध्यान दे तो आने वाले कुंभ मेला में ट्रैफिक जैसी समस्याओं से निजात मिल सकती है। एक स्टीमर से सैकड़ों यात्री दिनभर जाते हैं इधर–उधर लालपुर एवं सराय अकिल की ओर से आने जाने वाली सैकड़ों यात्री दिन भर एक स्टीमर के सहारे आते जाते हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062